जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया

27 जून, 2024

प्रेस विज्ञप्ति

जामिया मिल्लिया इस्लामिया के दंत चिकित्सा संकाय को यूके सरकार की एजेंसी द्वारा प्रतिष्ठित एनआईएचआर ऑरल हेल्थ प्रोजेक्ट से सम्मानित

जामिया मिल्लिया इस्लामिया गर्व से इस बात की घोषणा करता है कि विश्वविद्यालय के दंत चिकित्सा संकाय में पब्लिक हेल्थ डेंटिस्ट्री के प्रोफेसर अभिषेक मेहता को यूके सरकार की एजेंसी, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थकेयर एंड रिसर्च द्वारा प्रतिष्ठित एनआईएचआर ग्लोबल हेल्थ ग्रुप ऑन ओरल हेल्थ प्रोजेक्ट हेतु प्रधान इन्वेस्टिगेटर और इंडिया लीड के रूप में चुना गया है। इस दो साल की परियोजना में कुल 93000 GBP का अनुदान पुरस्कार प्राप्त हुआ है।

दो साल के शोध कार्यक्रम का उद्देश्य निम्न-मध्यम और मध्यम आय वाले चार देशों, अर्थात् केन्या, कोलंबिया, भारत और ब्राजील में ऑरल रोगों की बेपरवाही की व्याख्या करना है। इस विशिष्ट कार्यक्रम के उद्देश्य हैं: (ए) ऑरल स्वास्थ्य असमानताओं के पैटर्न, तंत्र और प्रभाव का आकलन करना; (बी) ऑरल स्वास्थ्य पर वाणिज्यिक निर्धारकों के प्रभाव एवं विशेष रूप से चीनी तथा तंबाकू उद्योगों की भूमिका का निर्धारण करना; (सी) ऑरल रोगों के आर्थिक बोझ एवं ऑरल स्वास्थ्य प्रणाली सुधारों के अवसरों का आकलन करना; (डी) ऑरल स्वास्थ्य असमानताओं को कम करने एवं स्वास्थ्य को बढ़ावा देने हेतु सार्वजनिक स्वास्थ्य हस्तक्षेपों व प्रणाली सुधारों का सह-उत्पादन और परीक्षण करना। इसके अतिरिक्त कार्यक्रम का उद्देश्य प्रशिक्षण और शॉर्ट पाठ्यक्रमों की एक विस्तृत श्रृंखला के माध्यम से स्थानीय अनुसंधान क्षमता विकसित करना भी होगा। नियोजित अनुसंधान को सामुदायिक जुड़ाव और भागीदारी गतिविधियाँ पूरी तरह से सूचित करेंगी और समर्थन देंगी।

इस बहुराष्ट्रीय परियोजना, जिसमें जामिया मिल्लिया इस्लामिया एक सहयोगी है, के अंतर्गत प्रोफेसर अभिषेक मेहता को परियोजना के क्षमता निर्माण पहलुओं का नेतृत्व करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। भारत में दंत चिकित्सा सार्वजनिक स्वास्थ्य अनुसंधान प्रशिक्षण में विशिष्ट अंतराल की पहचान करने के उद्देश्य से प्रशिक्षण आवश्यकताओं के आकलन अभ्यास को शुरू करने के उपरांत परियोजना के तहत जामिया का दंत चिकित्सा संकाय भारत में विभिन्न दंत चिकित्सा महाविद्यालयों और सार्वजनिक स्वास्थ्य संस्थानों से चुने गए शुरुआती और मध्य-कैरियर शोधकर्ताओं के लिए एक महत्वाकांक्षी प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण कार्यक्रम विकसित करेगा एवं उसे कार्यान्वित भी करेगा।

यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन प्रमुख संस्थान है और प्रोफेसर रिचर्ड वाट, प्रो और मानद सलाहकार, डेंटल पब्लिक हेल्थ, महामारी विज्ञान एवं सार्वजनिक स्वास्थ्य विभाग, यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन और निदेशक, डब्ल्यूएचओ सहयोगी केंद्र ऑरल स्वास्थ्य असमानताओं एवं सार्वजनिक स्वास्थ्य इस प्रतिष्ठित बहुराष्ट्रीय परियोजना के प्रमुख अन्वेषक हैं, जिसका संचालन दस देशों के 15 शोधकर्ताओं द्वारा किया जा रहा है। अन्य सहयोगी संस्थानों में ग्लासगो विश्वविद्यालय, क्वीन मैरी विश्वविद्यालय, स्टैफोर्डशायर विश्वविद्यालय, कोलंबिया का राष्ट्रीय विश्वविद्यालय, नैरोबी विश्वविद्यालय, एब्रास्को, पब्लिक हेल्थ फाउंडेशन ऑफ इंडिया, लोक स्वास्थ्य सेवा ट्रस्ट, नेशनल डेंटल रिसर्च इंस्टीट्यूट, सिंगापुर, द ऑस्ट्रेलियन नेशनल यूनिवर्सिटी, मेलबर्न विश्वविद्यालय, कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, सैन फ्रांसिस्को और ट्रिनिटी कॉलेज, डबलिन शामिल हैं।

जामिया मिल्लिया इस्लामिया के कार्यवाहक कुलपति प्रो. मोहम्मद शकील और जामिया मिल्लिया इस्लामिया के दंत चिकित्सा संकाय की डीन प्रो. केया सरकार ने इस परियोजना के लिए चुने जाने पर प्रो. अभिषेक मेहता को बधाई दी, जो हमारे समाज में ऑरल स्वास्थ्य असमानताओं को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। एक प्रमुख केंद्रीय विश्वविद्यालय के रूप में, दंत चिकित्सा संकाय इस परियोजना के जनादेश की भावना को पूरा करने के लिए सबसे उपयुक्त है। यह परियोजना राष्ट्रीय स्तर पर सभी भारतीयों और विशेष रूप से समाज के हाशिए पर रहने वाले वर्गों के ऑरल स्वास्थ्य की स्थिति में सुधार करने में दंत चिकित्सा संकाय की भूमिका निभाने की आकांक्षाओं का भी संकेत है।

जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया